वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 70 | शनिवार 8 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

फुटबॉल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए होगा विशेष आयोजन

जयपुर. कासं

प्रेसिडेंट कप, डूरंड कप और शिमला कप की ट्रॉफी जयपुर में आएगी नजर, दिल्ली से आएंगी डूरंड कप का 132वां संस्करण 3 अगस्त से 3 सितंबर 2023 तक डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी के तत्वावधान में मुख्यालय पूर्वी कमान की ओर से आयोजित किया जाएगा। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी में सीडीएस अध्यक्ष और तीन सेवा प्रमुख उपाध्यक्ष हैं। देश में खेल विशेषकर फुटबॉल के बारे में जागरूकता बढ़ाने, खेल संस्कृति को बढ़ाने और खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए डूरंड कप के विजेताओं को प्रदान की जाने वाली ट्रॉफियों का टूर आयोजित किया जा रहा है, जिसमे प्रेसिडेंट कप, डूरंड कप और शिमला कप शामिल है। ट्रॉफियां 9 जुलाई 2023 को दिल्ली से जयपुर पहुंचेंगी और शहर के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें झालाना डूंगरी में राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र, एसएमएस स्टेडियम, अमर जवान ज्योति, विधानसभा, अजमेरी गेट, रामनिवास गार्डन और अल्बर्ट हॉल शामिल हैं।

जयपुर की बिजनेस वुमन का फैशन शो

बिजनेस घरानों से ताल्लुक रखने वाली 150 महिलाओं ने पेश दिखाया थिएटर ऑफ ड्रीम्स

जयपुर. कांस

दुनियाभर में पहचान रखने वाले प्रसिद्ध सिनेमाघर राजमंदिर में जयपुर शहर की 150 से अधिक बिजनेस वुमंस एक अलग ही अंदाज में नजर आई। अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी बिजनेस स्किल्स से सुर्खियों में रहने वाली ये महिलाएं आज डांस, म्यूजिक, थिएटर और रैम्पवॉक से तालियां बटोरती नजर आई। वुमन एंटरप्रेन्योर्स ने प्रोफेशनल मॉडल्स के साथ रैम्पवॉक किया और डिजाइनर कलेक्शन को शोकेस किया। जयपुर की फिट बॉडी एंड सोल वीमन फोरम की ओर से आयोजित थिएटर ऑफ ड्रीम्स फैशन शो का आयोजन किया गया। फोरम की फाउंडर मेघा गुप्ता ने बताया कि बिजनेस वुमन अपने क्षेत्र में तो कमाल कर रही है, लेकिन डांस, म्यूजिक, थिएटर और फैशन के मंच से दूर रहती है। इनके टैलेंट को यहां दिखाने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह शो आयोजित किया गया। बिजनेस वुमन इस समय अग्रेसिव होकर काम करती है और दूसरी अन्य महिलाओं को मदद करती है। यहां तक की दूसरे बिजनेस वुमंस को सपोर्ट भी करती है। ऐसे में उनके सपोर्ट को इस फैशन के मंच पर दिखाया गया।

24 फैशन और ज्वैलरी डिजाइनर्स के कलेक्शन को किया शोकेस

इस स्पेशल शो में शहर की 24 फैशन और ज्वैलरी डिजाइनर्स के कलेक्शन को एंटरप्रेन्योर्स ने आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया। इस शो के लिए पूरी टीम ने एक हफ्ते से ज्यादा तैयारी की। आज यही तैयारी पक्ष साफ नजर आ रहा था। इस शो में डिजाइनर कलेक्शन का तो अट्रेक्शन रहा ही, इसे प्रस्तुत करने के तरीके को भी सराहना मिली। इस दौरान मेम्बर्स ने कार्यक्रम में नेटवर्किंग एंड बिजनेस को ग्रो करने के टिप्स भी एक्सचेंज किए।

एक लड़की के सफर को किया साझा

यह शो इसलिए भी यूनीक था क्योंकि इसमें डांस, ड्रामा और फैशन के रंग देखने को मिले। इसमें एक लड़की के जीवन के सफर को मंच पर साझा किया गया। लड़की के जन्म से लेकर उसके बड़े होने की कहानी, फर उसकी शादी या कॅरियर से जुड़े विषयों को बड़े रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस शो को श्वेता बाफना, वैशाली मोदी, डॉ ऋचा शर्मा, मेघा खंडेलवाल, प्राची खंडेलवाल, शेफाली जैन ने मिलकर तैयार किया। मेघा ने कहा कि एक महीने की दिन रात की मेहनत, इतनी सारी एंटरप्रेन्योर्स को एक कॉमन प्लेटफार्म पर लाना और ये शो क्रिएट करना अपने आप में बहुत इनोवेटिव एक्सपीरियंस रहा। इस शो में मुख्य अतिथि के रूप में चौंमू पूर्व राजपरिवार की सदस्य और कांग्रेस नेता रुक्षमणी कुमारी मौजूद रही। उनका फोरम के पदाधिकारियों ने सम्मान किया।

गहलोत सरकार हर दिन देगी 2.75 लाख के इनाम

सरकारी योजनाओं पर वीडियो कॉन्टेस्ट शुरू

जयपुर. कासं

गहलोत सरकार अब अपनी योजनाओं के कॉन्टेस्ट करवा कर जनता को इनाम बांटेगी। जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट के जरिए हर दिन 2.75 लाख रुपए के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। सीएम अशोक गहलोत ने इसकी शुरूआत कर दी है। एक महीने तक रोज इनाम बांटे जाएंगे। चुनावी साल में जनता के बीच योजनाओं के प्रचार करने के इस तरीके का सरकार ने पहले सोशल मीडिया पर खूब प्रचार किया है। इस वीडियो कॉन्टेस्ट में सरकार की 10 फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में सवाल होंगे।

कॉन्टेस्ट में भाग लेने के लिए लाभार्थी को खुद का या महंगाई राहत कैंपों के लाभार्थियों से 10 प्रमुख योजनाओं पर सवाल-जवाब करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर सरकार को टैग करते हुए अपलोड करना होगा। इन वीडियो के जरिए सरकार ने अपनी योजनाओं का प्रचार आम लोगों से कराने की तैयारी की है। इस वीडियो में सरकार की योजनाओं का नाम बताते हुए, उनसे जनता को कितना फायदा हो रहा है, यह बताना होगा। वीडियो में बताना होगा कि कैसे इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वीडियो कॉन्टेस्ट के तहत प्रथम पुरस्कार के रूप में विनर को रोज एक लाख रुपए दिए जाएंगे। दूसरा पुरस्कार 50 हजार और तीसरा पुरस्कार 25 हजार रुपए होगा। हर दिन 100 लोगों को 1000-1000 रुपए के प्रेरणा पुरस्कार भी दिए जाएंगे। वीडियो कॉन्टेस्ट के विजेताओं का फैसला जूरी करेगी। सूचना और जनसंपर्क विभाग को इस वीडियो कॉन्टेस्ट का जिम्मा दिया गया है। हर रोज विजेताओं का चयन कर उन्हें इनाम दिए जाएंगे।

चातुर्मासि की गौरवशाली परम्परा मे इस वर्ष आचार्य नवीननन्दी का भव्य मंगल प्रवेश

फोटो : सतीश "अकेला" चित्रांकन

सतीश 'अकेला'. शाबाश इंडिया

जयपुर । स्थानीय बरकत नगर में आज गणाचार्य श्री कुन्थुसागर जी व आचार्य श्री सिद्धांत सागर जी महाराज के सुयोग्य एव ओजस्वी शिष्य युवा सम्राट आचार्य श्री नवीन नन्दी जी महाराज का मंगल प्रवेश धर्मोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। वर्षायोग की स्थापना 9 जुलाई को प्रातः सम्पन्न की जाएगी। मंदिर प्रबंध समिति एव वर्षायोग समिति के अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन के अनुसार बेंड वाजो केसरिया ध्वज लहरियों के साथ समाज बंधु व महिला मंडल आदि के साज विभिन्न कालोनियों से पधारे भक्तगण शोभा यात्रा में सम्मलित हुए। धार्मिक एवं सांस्क्रतिक संयोजक सतीश जैन अकेला ने बताया कि प्रवेश के अवसर पर कालोनी के विभिन मार्गो पर पूज्य श्री के पाद प्रक्षालन व मंगल आरती भक्तजनो ने उतार कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री बरकत नगर के चन्द्र प्रभ मन्दिर में दर्शन पश्चात

चातुर्मास स्थल णमोकार भवन पहुंचे यहाँ धर्म सभा आयोजित की गई। धर्म सभा में जोहरी बाजार से राजकुमार खण्डाका मानसरोवर से प्रमोद बाकलीवाल पार्श्वनाथ कालोनी से प्रदीप जैन आदि अनेक भक्तजनो ने आचार्य श्री का आशीर्वाद लिया। ज्ञात रहे बरकत नगर में निरन्तर 13 चातुर्मास सम्पन्न कराए जा चुके हैं यह 14 वां वर्षायोग होगा ।

गुरु कहते हैं सोचो नहीं, सोच बदलो: आचार्य विनिश्चयसागर

धर्मसभा को संबोधित कर व्यक्त किए उदगार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

भिण्ड। अपने किए कार्यों पर सोचों नहीं, उसमें अपनी सोच से परिवर्तन लाओ क्योंकि सोचने से मात्र जीवन में परिवर्तन नहीं आता, बल्कि अपनी सोच में परिवर्तन लाने से अपने जीवन में बदलाव जरूर आता है। ''जो आज तक किया है अब नहीं करेंगे और जो नहीं किया है वो अब करेंगे''। ऐसी विचारधारा जब आपकी अंतश चेतना में आयेगी तब आप कुछ सुखी हो सकते हैं। उक्त उद्बोधन बाक्केशरी आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ने श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय मंदिर बताशा बाजार में धर्मसभा को संबोधित करते हुए दिया। पूज्य गुरुदेव श्री विनिश्चयसागर ने बताया कि आचार्य भगवन ने कहा है- ''अभाक्यिम भावेमि, भाविष्यं ण भावेमि''! आपने आज तक क्या सोचा-जो गलत था, जो करने योग्य नहीं था, जो दूसरों को कष्ट देने वाला था, जो हिंसा, झूठ, चोरी, अब्रह्म, परिग्रह आदि पापों से लिप्त था। आपने आज तक इसी बारे में सोचा है, सोच रहे हैं और ऐसा ही कर रहे हैं। आचार्य भगवन कहते हैं कि सोच बदलो, जो पुण्य का हेतू है। ऐसा कार्य करो कि आपके जीवन को स्थिति परस्थिति सब बदल जाएगी। आपके जीवन में सुख बरसेगा, दुख कम हो जाएंगे। इसीलिए गुरु कहते हैं कि सोचो नहीं, सोच बदलो। आप सुखी रहना चाहते हो तो आत्म चिंतन जागृत करो, सांसारिक कार्यों से विमुख हो, प्रातः ध्यान का अभ्यास करो, योगा करो और मन वचन काया पर नियंत्रण करो।

आचार्य सौरभ सागर ने कहा...

एकान्त को पकड़ने वाला नारकी अनेकांत को पकड़ने वाला पारखी

जयपुर. कासं। राजधानी के टोंक रोड स्थित प्रताप नगर में चल रहे जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रेरणा स्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज ने पांचवें दिन शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के संत भवन में कहा की ''सर्वांग से निसृत होने वाली शास्ता की वाणी को जिनवाणी कहते है। शास्त्र की वाणी में मिलावट करना अपराध भाव है। जिसमें मिलावट है वह जिनवाणी नही निजवाणी है। बुद्धिवादी जिनवाणी के अनुसार नहीं चलता। बल्कि जिनवाणी को अपने अनुसार चलाता है, तथाकथित पंडित, पुजारी, पादरी मनवाणी को ही परमात्मा का संदेश कहते है और अनेक प्रकार के छल प्रपंच को जन्म देते है।'' आचार्य श्री ने ज्ञान और जानकारी में पूरब-पश्चिम का अंतर बताते हुए कहा कि - जानकारी मित्रों से, पुस्तकों से, सम्प्रदायगत संस्कारों से, रागी-द्वेषी, असंयमी, नकली उपदेशकों से पायी जाती है। यह जानकारी आचरण को नहीं मात्र तर्क-वितर्क को उत्पन्न कर भ्रमित करती है। ज्ञान भ्रमित नहीं करता अपितु आचरण देता है। आचरण रहित ज्ञान लंगड़े के समान है। ज्ञान परम्परा पर चलने का संदेश देता है और जानकारी अंधविश्वास पर चलने को प्रेरित करती है। जानकारी हाथवादी होती है। ज्ञान समन्वयवादी होता है। भगवान महावीर स्वामी के पास जानकारी नहीं - ज्ञान था, उनका ज्ञान किसी आकाश से नही उतरा बल्कि सम्यक आचरण के माध्यम से स्वयं के भीतर ही अविभूर्त हुआ था। आत्मा से प्रस्फुटित ज्ञान के बल पर ही भगवान

महावीर ने अनेकांत और स्यादवाद को पूरे विश्व में अपनी दिव्य ध्वनि के माध्यम से एक साथ 700 लघु भाषाओं एवं 18 महाभाषाओं में गुंजायमान किया। वर्तमान काल में एक साथ इतनी भाषाओं के माध्यम से ज्ञान देने वाला कोई नहीं हुआ। आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा कि - शास्त्र की तह तक पहुंचने के लिए गुरु से सम्बन्ध स्थापित करना अनिवार्य है। क्योंकि गुरु जलता हुआ दीपक है, बुझा दीपक कभी किसी को नहीं जला सकता। गुरु जागृत पुरुष है वे मनुष्य को जगा सकते है, शास्त्र नहीं जगा सकते ; क्योंकि शास्त्र अचेतन है और मनुष्य पूजा भी कर सकता है, फाड़कर भी फैंक सकता है। शास्त्र मौन है, गुरु मुखर है, शास्त्र मृत है, गुरु चेतन्य है। जब चेतन्य हो तो अचेतन के समक्ष मत बैठना। गुड्डे-गुड़िया एकत्र करने से परिवार नहीं बनता चैतन्य पुत्र को जन्म देने से परिवार बनता है, वंश चलता है। मात्र शास्त्र को एकत्रित करने से परमात्मा नहीं मिलता है। जीवन संभलता है, चैतन्य के पास पहुंचकर चैतन्य होने का पुरुषार्थ करें। अंत में आचार्य श्री ने कहा कि - प्रत्येक जीव में परमात्मा बनने की शक्ति विद्यमान है। जब मनुष्य ज्ञान को आचरण में ढाल देता है, उसी वक्त से उसके परमात्मा बनने की शक्ति प्रकट होने लगती है। महावीर का सिद्धांत अनेकांतवाद और सायदवाद का है। जिसे ' ही ' और ' भी ' का सिद्धांत कहते है। एकान्त को पकड़ने वाला नारकी होता है और अनेकांत को पकड़ने वाला पारखी होता है और मोह राग-द्वेष-छल-प्रपंच को छोड़कर शास्त्र से शास्ता तक की यात्रा निर्विध्न पूर्ण करता है।

महावीर पब्लिक स्कूल का होनहार छात्र आयुष कटारिया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर पब्लिक स्कूल के छात्र आयुष कटारिया (बैच 17-18) के सीए फाइनल परीक्षा(2022-23) में ऑल इण्डिया लेवल पर 44वीं रैंक प्राप्त करने पर महावीर शिक्षा परिषद परिवार ने अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव करते हुए शुक्रवार, दिनांक 7/7/23 को विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, कमल बाबू जैन ज्वाइंट सेक्रेटरी, संयोजक (महावीर कॉलेज) प्रमोद पाटनी , तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने माला पहनाकर, मुंह मीठा करवा कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। आयुष ने कक्षा 11 वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को अपने कठिन परिश्रम व लगन से जीवन में सफलता प्राप्त करने के गुर बताएं। आयुष ने विद्यालय के प्रांगण में एक पौधा भी लगाया जिससे महावीर परिवार को आयुष की स्मृति सदा बनी रहे और जैसे-जैसे यह पौधा बड़ा होकर पुष्पित और पल्लवित हो वैसे-वैसे यह विद्यार्थियों को आयुष की तरह कठिन परिश्रम और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहे।

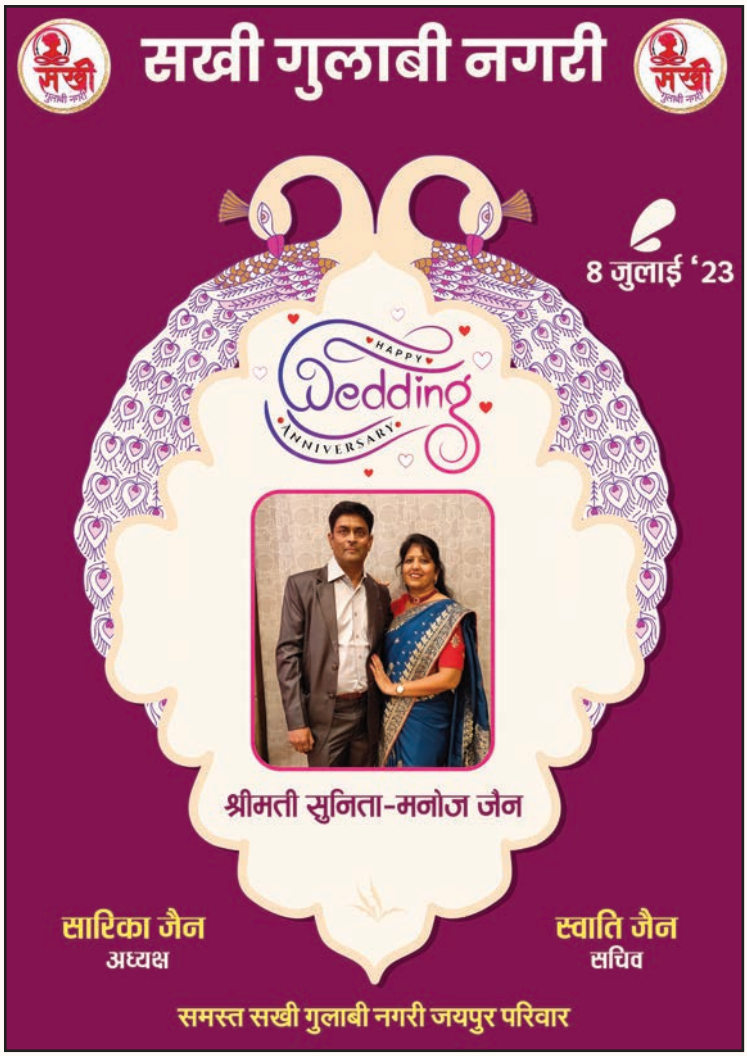

वेद ज्ञान

संतोष का मतलब त्याग

आचार्य चाणक्य कहते हैं-शांति के समान कोई तप नहीं, संतोष से बढ़कर कोई धर्म नहीं। सुख के लिए विश्व में सभी जगह चाहत है, पर सुख उसी को मिलता है जिसे संतोष करना आता है। एक जिज्ञासा उठती है कि संतोष है क्या? संतोष का अभिप्राय है-इच्छाओं का त्याग। सभी इच्छाओं का त्याग करके अपनी स्थिति पर संतोष करना ही सुख को प्राप्त कर लेना है। जीवन के साथ इच्छाएं, कामनाएं व आकांक्षाएं रहती ही हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि सुखी जीवन के लिए हमारी इच्छा-शक्ति पर कहीं तो विराम होना चाहिए। इच्छा के वेग में विराम को ही संतोष की संज्ञा दे सकते हैं। संतोष मन की वह वृत्ति या अवस्था है जिसमें मनुष्य पूर्ण तृप्ति या प्रसन्नता का अनुभव करता है, अर्थात इच्छा रह ही नहीं पाती। जीवन की गति के साथ संपत्ति और समृद्धि की दौड़ से वह सुख नहीं मिलता जो संतोष रूपी वृक्ष की शीतल छांव में अनायास मिल जाता है। हमें चाहिए कि हम प्रयत्न और परिश्रम के फलस्वरूप प्राप्त होने वाली प्रसन्नता पर संतोष करना सीखें। निष्काम कर्म-योग, इच्छाओं का दमन, लोभ का त्याग और इंद्रियों पर अधिकार-यह सभी उपदेश संतोष की ओर ले जाने वाले सोपान ही तो हैं। भारतीय संस्कृति संतोष पर ही आधारित है। श्रम-साधना के अनंतर जिसके मस्तिष्क में संतोष आ समाया है उसने राज्य और राजमुकुट का वैभव प्राप्त कर लिया। सच तो यह है कि संतोष प्राकृतिक संपदा है, ऐश्वर्य कृत्रिम गरीबी। संतोष का आदर्श यही है कि हम इच्छाओं को सीमित रखकर सत्य व ईमानदारी से श्रम करें और फल की चिंता न करते हुए उसे परमात्मा और परिस्थितियों पर छोड़ दें। प्रत्येक मानव में समाज के लिए उपयोगी बनने का भाव होना चाहिए। ऐसी उपयोगिता में हृदय को सरस बनाने की अपारशक्ति है। समाज के अनेक जीवों के लिए उपयोगी बनकर ही हम सहज में समस्त चिंताओं को निष्कासित कर सकते हैं। हमें इस तथ्य का भलीभांति बोध होना चाहिए कि सुखी होने का भाव है-दूसरों को सुखी बनाना। मन, वाणी और कर्म से शुद्ध व्यक्तित्व ही सच्चे सुख की रसधार में सदैव स्नान करता है। आत्मा में सुख-सौंदर्य की विपुल वर्षा के लिए संतोष एक सजीला मेघ है। सुख और संतोष प्रायः साथ ही चलते हैं।

संपादकीय

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार...

''**रैपिड रीजनल ट्रांजिट सिस्टम**'' के जरिए दिल्ली को राजस्थान और हरियाणा से जोड़ा जाना है। यह अपने आप में विचित्र है कि कोई सरकार धन की कमी बता कर किसी रेल परियोजना में आर्थिक योगदान करने से मना कर दे, लेकिन उसे विज्ञापनों या अन्य मदों में फिजूलखर्ची से कोई परहेज न हो। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इसी रवैये पर सवाल उठाते हुए दिल्ली सरकार को फटकार लगाई और कहा कि आपके पास विज्ञापनों के लिए पैसा है तो फिर उस परियोजना के लिए धन क्यों नहीं है, जो लोगों को बेहतर सुविधा देगी। गौरतलब है कि कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को 'रैपिड रेल' परियोजना के मद में पांच सौ करोड़ रुपए का योगदान देने का निर्देश दिया था। मगर दिल्ली सरकार ने कहा कि बजट की परेशानी की वजह से वह इसके लिए वित्तीय मदद नहीं कर सकती। यह किसी सरकार के हाथ खींचने का वाजिब कारण लग सकता है, लेकिन अगर वही सरकार अन्य मदों में

खुले हाथों धन खर्च कर रही हो, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर जनहित के किसी काम के लिए उसके पास पैसों की कमी क्यों हो जाती है। शायद यही वजह है कि इस रुख से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से दो हफ्ते के भीतर पिछले तीन वित्तीय वर्षों में विज्ञापनों पर हुए खर्च का ब्योरा मांगा है। गौरतलब है कि 'रैपिड रीजनल ट्रांजिट सिस्टम' के जरिए दिल्ली को राजस्थान और हरियाणा से जोड़ा जाना है। इसी में दिल्ली सरकार को भी अपना अंशदान देना था, जिसे देने से उसने मना कर दिया। वहीं सूचना का अधिकार कानून के तहत सामने आई जानकारी के मुताबिक, सन 2012-13 में जहां इस सरकार का विज्ञापन पर खर्च 11.18 करोड़ रुपए था, मार्च 2020 से जुलाई 2021 के बीच बढ़ कर 490 करोड़ रुपए हो गया। सवाल है कि आम आदमी पार्टी सरकार को जनहित के लिए बनाई गई किसी परियोजना में हिस्सेदारी करने में हिचक क्यों होती है! जबकि अपने नेताओं और पार्टी का प्रचार करने के मकसद के विज्ञापनों पर खर्च में उसे कोई संकोच नहीं होता। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जब सरकारें किसी जनोपयोगी कार्य या योजना के लिए धन की कमी को कारण बताती हैं और सिर्फ इस वजह से कोई काम सालों-साल टलता रहता है। मगर दूसरी ओर विज्ञापनों से लेकर ऐसे मदों में सरकार की ओर से धन कई बार पानी की तरह बहाया जाता है। इसे सरोकारों पर फिजूलखर्ची का हावी होना कहा जा सकता है। खासकर जो सरकार सादगी के दावे पर ही जनता के लिए काम करने की बात कहती रही है, उसके खर्च और सरोकार को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी का उभार और सत्ता में आने के पीछे एक बड़ा कारण यही था कि उसके नेता अरविंद केजरीवाल की ओर से दूसरी पार्टियों और सरकारों की फिजूलखर्ची और जनकल्याण के कामों के बजाय दिखावे पर सवाल उठाए गए। इस तरह के नारों का स्वाभाविक ही आम लोगों पर असर पड़ा और उन्होंने सादगी को अपनी नीति बताने वाली 'आप' पर भरोसा किया।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

चालाक चीन...

शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के शासनाध्यक्षों के परिषद की तेईसवीं बैठक में मंगलवार को चीन के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने जिन बातों की वकालत की, अगर उस पर अमल को लेकर भी वे इतने ही गंभीर होते तब भारत की समस्या शायद कुछ कम हो पाती। लेकिन अफसोस यह है कि चीन और पाकिस्तान की ओर से आए दिन जिस तरह की हरकतें की जाती हैं, उससे ऐसा लगता नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाहिर अपनी राय को लेकर उतने ही प्रतिबद्ध हैं। खासतौर पर भारत को लेकर इन दोनों देशों की ओर से कूटनीतिक मोर्चे से लेकर सीमावर्ती इलाकों पर जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है, उसके मद्देनजर इनकी ऐसी सदिच्छाएं सवालों के घेरे में आती हैं। दरअसल, एससीओ की बैठक को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इसके सदस्य देशों से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने का आह्वान किया और आर्थिक सुधार को गति देने के लिए व्यावहारिक सहयोग की वकालत की। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का कहना था कि आतंकवाद के कई सिर वाले राक्षस से पूरी ताकत और दृढ़ता के साथ लड़ा जाना चाहिए। जाहिर है, एक अहम अंतरराष्ट्रीय मंच पर दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के इन बयानों को अगर इसी संदर्भ में देखा जाए और उसे जमीन पर उतारने को लेकर वे सचमुच ईमानदार भी हों तो दक्षिण एशिया के इस हिस्से में एक जटिल समस्या का समाधान निकल सकता है। लेकिन यह छिपी बात नहीं है कि व्यवहार में चीन और पाकिस्तान के भीतर भारत को लेकर कैसे आग्रह हैं और सीमावर्ती इलाकों में कैसी अवांछित हरकतें की जाती रही हैं? एक ओर चीन लद्दाख या अरुणाचल प्रदेश में अनधिकृत घुसपैठ से नहीं हिचकता है, तो दूसरी ओर अपनी सीमा में स्थित ठिकानों से गतिविधियां संचालित करने वाले संगठनों की ओर से आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने से लेकर भारतीय सीमा के भीतर अवैध घुसपैठ कराने तक की पाकिस्तान की हरकतें छिपी नहीं रही हैं। सवाल है कि भारत के सामने अमूमन हर समय ऐसी मुश्किल पेश करने का मकसद क्या होता है! अगर चीनी सेना भारतीय भूभाग में अवांछित गतिविधियां करती है या फिर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के पीछे पाकिस्तान का हाथ पाया जाता है तो इसका क्या मतलब निकलता है? सवाल है कि भारत के प्रति एक खास दुराग्रहपूर्ण रुख रखते हुए भी चीन की इस सदिच्छा का क्या अर्थ रह जाता है कि एससीओ के देशों के बीच क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो और वे आर्थिक सुधार को आगे बढ़ाने में कोई व्यावहारिक सहयोग दें। फिर पाकिस्तान को अगर लगता है कि आतंकवाद के कई सिर वाले राक्षस से पूरी ताकत और दृढ़ता से लड़ा जाना चाहिए तो क्या उसे सबसे पहले इस मसले पर भारत की नीतियों और जरूरत को स्वीकार नहीं करना चाहिए? यह छिपा नहीं है कि भारतीय सीमा में आतंकी दखलंदाजी को परोक्ष सहयोग देने वाला पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद का शिकार है। वहां भी आए दिन आतंकी हमलों में लोग मारे जाते हैं।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर का 33वां स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर में मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंदिर जी का 33 वां स्थापना दिवस गुरुवार दिनांक 6 जुलाई 2023 से 9 जुलाई 2023 तक चार दिवसीय वार्षिकोत्सव प्रत्येक वर्ष की भांति मनाया जा रहा है। 6 जुलाई 2023 को मंदिर जी का 33 वा वार्षिक उत्सव प्रातः प्रथम अभिषेक शांति धारा कैलाश चंद - बीना, महेंद्र विमला - लूहाडिया, पारस विनय पापड़ीवाल परिवार, नवीन स्नेह लता काला परिवार गोलियावास द्वारा की गई। शांति धारा के तुरंत पश्चात प्रातः 8:30 कार्यक्रम का प्रारंभ झंडारोहण डॉक्टर टीकमचंद विमला, दीपक नीतू बाकलीवाल परिवार द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन समाज श्रेष्ठि कैलाश चंद सुशीला नवीन सविता द्वारा किया गया। अतिथियों का अध्यक्ष राजेश काला, मंत्री रवि जैन बाकलीवाल, संयोजक कमलेश चंद जैन, वीरेंद्र गदिया, संगठन मंत्री रजनीकांत, कोषाध्यक्ष सुशील पहाड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष उर्मिला पाटनी, मंत्री उषा पापड़ीवाल ने तिलक माला और शॉल साफा पहनाकर स्वागत किया। महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि सायंकाल श्री सुधासागर छात्रावास सांगानेर की बालिकाओं द्वारा भव्य नाटक प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा लाइव प्रसारण आचार्य श्री विशदसागर जी का ऑनलाइन सभी को दर्शन करवाए गए और आशीर्वाद प्राप्त किया। 8 तारीख को प्रातः अभिषेक शांति धारा सायंकाल भक्तामर अनुष्ठान 48 दीपको से मंडल पर साज संगीत से अर्चना की जाएगी। 9 तारीख को प्रातः अभिषेक के बाद मंदिर जी केतीनों शिखरो में विराजमान प्रतिमाओं के अभिषेक किए जाएंगे। दोपहर 12:30 आदिनाथ विधानमंडल संगीत से करवाया जाएगा सायंकाल 7:30 बजे महाआरती कर कार्यक्रम संपन्न होगा।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से ....

आज कल, सबको सबके बारे में, सब कुछ पता है...पर स्वयं की अहमियत का बोध नहीं!

शाबाश इंडिया

गलत फहमी और प्रतिशोध की आग अच्छे खासे जीवन को तबाह कर देती है। मनुष्य अपने जीवन में जाने अनजाने, कई अवगुण पाल लेता है। ये अवगुण उसे निस्तेज करने लगते हैं -- प्रतिशोध की ऊर्जा निःसंदेह हमें क्षीण कर देती है। प्रतिशोध एक ऐसा अवगुण है जो हमारी सामर्थ्य को खत्म कर देता है। प्रतिशोध की अग्नि भयावह होती है, जो विनाश को आमन्त्रित करती है ।प्रतिशोध की अग्नि में जलने वाला व्यक्ति स्वयं को अनर्थ की ओर धकेलने लगता है। किसी के उचित-अनुचित व्यवहार का उत्तर, केवल उसके अनुरूप देने, या दुराग्रह भाव के देने से, ही प्रतिशोध का जन्म होता है। व्यक्ति अनर्थ को अनर्थ से, अनीति को अनीति से, पाप को पाप से, कीचड़ को कीचड़ से धोने का प्रयास करता है, जो न्याय संगत नहीं है। अनीति का प्रतिकार करना उचित है, परन्तु प्रतिशोध की राख को माथे का श्रृंगार बनाना मूर्खता है। छोटी छोटी बातों को मन में रख लेना, या बैर की गांठ बांध लेना या बार बार स्मरण करना, या क्रोध की अग्नि में दहकना, प्रतिशोध को आमंत्रित करता है। बुद्धि और विवेक से किसी भी प्रकार के अन्याय को दंडित किया जा सकता है। प्रतिशोध की ज्वाला में व्यक्ति स्वयं के विवेक को भस्म कर डालता है। जैसे दुर्योधन के प्रतिशोध ने सब कुछ स्वाहाः कर डाला था और असंख्यात योद्धाओं के असमय को, काल का ग्रास बना दिया था।

सौ बात की एक बात

प्रतिशोध का परिणाम हमेशा दुखदाई होता है। यह सदा विनाश लीला रचता है।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

महावीर इन्टरनेशनल एसोसिएशन, जयपुर द्वारा स्थापना दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

4 जुलाई 2023 को महावीर इन्टरनेशनल एसोसिएशन, जयपुर द्वारा संस्था भवन एस-10, जनता कॉलोनी, जयपुर में 48वें स्थापना दिवस का अयोजन किया गया। इस अयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मुनेश गुर्जर, मेयर जयपुर हेरिटेज एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में पुष्प जैन, पूर्व संसद सदस्य पाली एवं ब्रजकिशोर शर्मा, अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग संघ ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। संस्था अध्यक्ष सुभाष गोल्छा ने समस्त अतिथियों एवं वीर-वीराओं का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा गत 48 वर्षों से किए जा रहे सामाजिक सरोकारों के कार्यों के बारे में अवगत कराया। अतिथियों द्वारा संस्था के सदस्यों की निर्देशिका का विमोचन किया गया। संस्था द्वारा प्रथम बार इस प्रकार की निर्देशिका का प्रकाशन करवाया गया है। तत्पश्चात संस्था के 80 वर्ष पार कर चुके सदस्यों का माल्यार्पण कर शाल, साफा एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। अन्त में अनिल वेद्य, सचिव ने समस्त उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए भोजन हेतु आमंत्रित किया।

महावीर इंटरनेशनल "युवा" ब्यावर द्वारा गोशाला में चारा वितरण किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा सप्ताह के अंतर्गत आज महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के तत्वाधान में संस्था के वरिष्ठ सदस्य वीर सचिन जैन (बुरड़) के सहयोग से सुबह 8.00 बजे गायों को गौशाला में चारा एवं गुड़ डाला गया। चारा एवं गुड़ से गोसेवा श्री वन्दे गौ मातरम्-चैरिटेबल ट्रस्ट जीव सेवा सर्व सेवा चिकित्सालय, अजमेर रोड, सदर थाने के सामने, ब्यावर में की गई। गौ सेवा में वीर अमित बंसल, वीर निखिल महेश्वरी, वीर योगेश बंसल सराफ, वीर अनुज सिंघल, वीर सचिन जैन, वीर राज कुमार गोयल, वीर राजेश मुरारका, वीर निखिल जिंदल,वीरा वर्षा जैन, वीरा नीलम बंसल आदि वीर एवं वीरा सदस्य उपस्थित थे। संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीर विजय पारीक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए सघन वृक्षारोपण किया गया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा पर्यावरण सुरक्षा एवम हरा भरा अजमेर सिटी के अंर्तगत कुंदन नगर स्थित सी आर पी एफ 1 मे 5-6 फुट के 25 पौधे रोपे गए। सचिव लायन कमल बाफना ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन संपत सिंह जैन के संयोजन में अशोक,नीम, गुलमोहर, करंज आदि के 25 पौधे रोपे गए। क्लब अध्यक्ष लायन अनिल छाजेड़ ने जानकारी दी कि मानसून को देखते हुए आगामी तीन माह में अधिक से अधिक चयनित स्थानों पर सघन पोधे रोप कर उनकी देखभाल की जाएगी और हरा भरा अजमेर हो के लिए सर्वाधिक प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल छाजेड़,संभागीय अध्यक्ष लायन लोकेश अग्रवाल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन संपत सिंह जैन,सचिव लायन कमल बाफना,सी आर पी एफ के अधिकारी, जवान सहित अन्य क्लब्स के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ज्यादा देर पेशाब रोके तो क्या होगा?

शाबाश इंडिया। ज्यादा देर तक पेशाब रोकने के कई संभावित परिणाम हो सकते हैं। यह आपकी व्यक्तिगत स्थिति और कारण पर निर्भर करेगा, लेकिन निम्नलिखित कुछ सामान्य परिणाम हो सकते हैं...

1. मूत्रपात की समस्याः ज्यादा देर पेशाब रोकने से मूत्रपात की समस्या हो सकती है, जिसमें आपको पेशाब करने की आवश्यकता बहुत ज्यादा होती है या आपको पेशाब करने में कठिनाई महसूस होती है। यह स्थिति आपको असुविधा और तनाव का कारण बना सकती है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

2. अवकाशित या बदलते प्रेशरः जब आप देर तक पेशाब रोकते हैं, तो मूत्र में दबाव बढ़ता है, जिसके कारण मूत्र नली में या प्रेशर की अन्य स्थानों में दबाव बढ़ता है। यह अवकाशित पेशाब या बदलते प्रेशर का कारण बन सकता है, जो उत्तेजना, संक्रमण या और कुछ और समस्या का कारण बन सकता है।
3. संभवतः सेवन संबंधित समस्याएंः ज्यादा देर तक पेशाब रोकने के लिए बार-बार तैयार होने के कारण, आपको उरिनरी सिस्टम संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि पेशाब का संक्रमण, पेशाब में संयोजन, पेशाब में स्टोन, या मूत्रशोधन नली में अवरुद्धता आदि।

यदि आपको ज्यादा देर तक पेशाब रोकने की समस्या हो रही है, तो आपको एक चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए। चिकित्सक आपकी व्यक्तिगत मेडिकल हिस्ट्री और लक्षणों के आधार पर आपकी समस्या का पता लगाएँगे और आपको उचित उपचार या निदान सुझाएंगे। स्वास्थ्य समस्याओं का निदान और उपचार करने के लिए उचित मेडिकल परामर्श हमेशा अनिवार्य होता है।

जे एस जी सिद्धा ने NH8 रेस्टोरेंट, अजमेर रोड पर बच्चों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी सिद्धा परिवार के कार्यकारिणी सदस्य मोनेष सोनिया जैन की सुपुत्री मिस्टी जैन के जन्मदिन के शुभअवसर पर आंचल बालिका ग्रह के बच्चों को NH8 रेस्टोरेंट, अजमेर रोड पर भोजन कराया। इस सेवा कार्यक्रम में जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी, निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल पांड्या एवं परिवार के सदस्य ने साथ दिया। बच्चों को भोजन कराने और उनके साथ बैठकर बात करने एवं समय व्यतीत करने में मन और आत्मा को बहुत खुशी मिली।

सीकर जिला थ्रोबॉल टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जालौर रवाना

नीमकाथाना. शाबाश इंडिया। थ्रो बॉल संघ राजस्थान द्वारा जालौर में होने वाली सब जूनियर स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए सीकर थ्रो बॉल टीम के 15 खिलाड़ी शुक्रवार को नीमकाथाना से रवाना हुए। सीकर थ्रोबॉल संघ सचिव हेमेश सेन ने बताया कि जालौर के बिशनगढ़ जैन महाविद्यालय में 9 जुलाई से राजस्थान थ्रोबॉल संघ एवं जालौर थ्रोबॉल संघ के सयुंक्त तत्वावधान में इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। राज्य स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती नीतू सिंह राठौड़ ने माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर रवाना किया तथा सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की। टीम के साथ जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार मेडोडिया सहायक कोच किशोर कुमावत भी जा रहे हैं।

सांगानेर में भागवत कथा का आयोजन 9 से

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर के महावीर नगर वाई के श्री मालेश्वर महादेव हनुमान मंदिर में 9 से 16 जुलाई तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। व्यासपीठ से ब्रजधाम के पं. संजय शास्त्री दोपहर एक से शाम पांच बजे तक कथा श्रवण कराएंगे। कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ होगा। पहले दिन श्रीमद् भागवत कथा का महात्म्य होगा। कथा का विश्राम 16 जुलाई को सुबह सवा नौ बजे हवन के साथ होगा। कार्य क्रम संयोजक योगेश शर्मा ने बताया कि 9 जुलाई को कलश यात्रा एवं श्रीमद्भागवत महत्व 10 जुलाई को सुखदेव जन्म राजा परीक्षित जन्म 11 जुलाई को कपिल अवतार ध्रुव चरित्र सृष्टि की रचना 12 जुलाई को बावन जन्म राम जन्म कृष्ण जन्म नंदोत्सव 13 जुलाई को बाल लीला गोवर्धन पूजा 14 जुलाई को रासलीला उद्धव संवाद रुक्मणी विवाह 15 जुलाई को सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष सुखदेव विदाई और 16 जुलाई को कथा की पूर्णाहुति एवम प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

जहां स्वार्थ वहां होती महाभारत और जहां त्याग वहां होंगी रामायणः इन्दुप्रभाजी म.सा.

मान, माया, मद आदि कषायों से मुक्त होने पर जीवन हो जाएगा सार्थक

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान राम का जीवन आदर्श जीवन की मिसाल है। भोगने की उम्र में जो योगी बन गए ऐसे मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम के गुणों जितना गुणगान करें कम है। भगवान राम ने अपने जीवन में कभी मयार्दा का उल्लंघन नहीं किया। भगवान महावीर की तरह भगवान राम भी विश्वबंधु थे इसीलिए सभी राम के भी गुण गाते है। जहां स्वार्थ होंगे वहां ''महाभारत'' होना तय है और जहां त्याग का माहौल है वहां ''रामायण'' का नजारा होगा। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में मंगलवार को नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए कहा कि भक्त हो तो राम जैसे होने चाहिए। जीवन को मान, माया, मद आदि पाप रूपी कषायों से मुक्त रखने पर वह सार्थक बन जाएगा। जैन आगम में भगवान कहते है तुम मेरे जैसे बन जाओ मैं तुम्हे भगवान बना दूंगा। हम भगवान के बताए मार्ग का अनुसरण कर उनके जैसा बन सकते है। इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी श्रवण पतित को पावन एवं आत्मा को निर्मल बना देती है। जिनवाणी को श्रद्धाभाव से श्रवण कर जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी श्रवण से आत्मा तृप्त होती है। जिनवाणी संसार में जीने और जीवन के बाद संसार से मुक्ति पाने की कला भी सिखाती है। हमारा जीवन जितना सरल होगा साधना उतनी ही आसान होती जाएगी। उन्होंने कहा कि पुण्यवानी से मनुष्य जन्म मिला है और जिनवाणी सुन आत्मकल्याण का सुनहरा अवसर भी प्राप्त हुआ है। साध्वीश्री ने कहा कि जिनवाणी सुननी ही नहीं है बल्कि बच्चों को भी इस संस्कार पाठशाला में लाकर सामायिक करने और जिनवाणी श्रवण के लिए प्रेरित करना है। घरों में संस्कार के साधन खत्म होने से समस्याएं बढ़ रही है। हमे बिजी नहीं इजी बनना है और आधुनिक नहीं आध्यात्मिक बनना होगा। दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हम आध्यात्मिक बन सद्कर्म करेंगे तो अगली गति भी सुधरेगी। जीवन में पैसा कभी सुख की गारंटी नहीं हो सकता त्यागमय जीवन ही सच्चा सुख प्रदान करता है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि इंसान भी अजीब है जमीन, पैसा सहित जिन भौतिक वस्तुओं को हमे यहां छोड़ कर जाना उनके संग्रह में जुटा है। धर्म और कर्म जो हमारे साथ जाएंगे उनके प्रति बेखबर है। जब तक भौतिक सुखों का त्याग कर धर्म से नहीं जुड़ेंगे आत्मकल्याण नहीं हो पाएगा। संग्रह करना है तो धर्म से जुड़ कर पुण्य का करे ताकि हमारे ये जन्म ही नहीं अगले भव भी सुधर जाए। धर्मसभा में आगममर्मज्ञ चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में उपवास, आयम्बिल व एकासन तप के प्रत्याख्यान भी लिए गए। संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक होंगे।

आर्यिका विभाश्री माताजी ने कहा...

सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान, और सम्यकचारित्र ही मोक्ष मार्ग है

रांची. शाबाश इंडिया। जैन गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी ससंघ ने वासुपूज्य जिनालय के प्रांगण में प्रातःकालीन प्रवचन के दौरान शिक्षण शिविर मे अपनी वाणी से सभी शिक्षार्थियों को तत्वार्थ सूत्र ग्रंथ के प्रथम अध्याय का सार बताते हुए कहा कि उन सभी प्रशस्त मोक्ष मार्गियो को नमस्कार करते हुए जिन्होंने रत्नत्रय धारण कर जीवों को मार्ग दर्शाया है, सात तत्वों का वर्णन किया है जिससे कि पाठक को मोक्ष, बंध, पाप, पुण्य, संवर, निर्जरा एवं जीव का बोध हो। साथ ही साथ जीव का लक्षण, ज्ञान, ज्ञान के प्रकार, महत्व एवं आत्मा के अस्तित्व का बोध कराया है। माताश्री ने कहा सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान, और सम्यकचारित्र ही मोक्ष मार्ग है। पूरे विश्व में जितना भी ज्ञान है जैसे भूगोल,खगोल, ज्योतिष, जीव विज्ञान, कुण्डली ज्ञान आदि सभी भगवान के केवलज्ञान से प्रकट हुआ है। जैन आगम में आत्मा को सम्पूर्ण परमात्मा स्वरूप माना जाता है। आत्मा बीज रूप है जो स्वयं ही पुरुषार्थ करके परमात्मा बन जाता है। शुद्ध भावों से की गई कोई भी धार्मिक क्रिया हमारी आत्मा का कल्याण करती है, रुधिर मल को जैसे जल धो देता हैं वैसे ही भगवान की पूजा और गुरुजनों की सेवा हर गृहस्थ के पापों का नाश करती है। पूजा करने वाला संपूजक और पुजा की व्यवस्था करने वाला प्रतिपालक होता है ,महामंत्र णमोकार की महिमा बताते हुवे अपने आज के प्रवचन को विराम दिया।

रांची संदीप जैन, कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बच्चों की मनोदशा को दर्शाता मार्मिक और संदेशात्मक नाटक ''पन्नों में पंख'' की शानदार प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

नाद सोसायटी ने प्रस्तुत किया बच्चों की मनोदशा को दर्शाताा मार्मिक और संदेशात्मक नाटक ''पन्नो में पंख'' इस नाटक की कहानी में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का सन्देश देती है। जिसके माध्यम से बताया गया है कि किसी भी कुरूतियों की बेड़ी को काटने का एक मात्र यंत्र शिक्षा है जो बेड़ियों को तोड़ कर खुले गगन में उड़ने के पंख तैयार करती है। गरीब के बच्चे इसलिए पढ़ते हैं की उनके सपने पूरे हो जाए वह किताबों में अपने सपने ढूंढते हैं पर गरीबी और लाचारी उनके सपनों को पूरा नहीं करने देती है बहुत मेहनत करते हैं उनमें से चंद लोग हि सपनों को पूरा कर पाते, हैं,, यह कहानी है उन्हीं बच्चों की जो किताब के पन्नों में अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयास करते हैं और कहते हैं किताब के पन्नों में कैद हैं हमारे सपने इस नाटक की परिकल्पना वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी ने की इस नाटक में सागर गढ़वाल, जीवितेश शर्मा, मिहिजा शर्मा कवितेश शर्मा ने किया। इस नाटक में संगीत अनिल मारवाड़ी का रहा और प्रकाश परिकल्पना राजेंद्र शर्मा राजू ने की।

रक्तदान शिविर जांच शिविर एवं शपथ ग्रहण समारोह 9 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज समिति मुरलीपुरा के द्वारा 9 जुलाई रविवार को प्रातः 10:00 से 2:00 तक श्री कृष्णा पैलेस मैरिज गार्डन माता जी के मंदिर के पास मुरलीपुरा में विशाल रक्तदान शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा एवं समिति के महामंत्री मक्खन लाल कांडा ने बताया कि इस अवसर पर शाम को नवनियुक्त अग्रवाल समाज समिति मुरलीपुरा के पदाधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम शाम 7:00 बजे एवं सामूहिक गोठ शाम 7:30 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा।

जेएनयू मेडिकल कॉलेज को देहदान की

जयपुर. शाबाश इंडिया। लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो के पूर्व अध्यक्ष लॉयन निर्मल जैन सोगानी की पुत्र वधु पूजा जैन सोगानी पत्नी नीरज जैन सोगानी के आकस्मिक निधन होने पर पार्थिक शरीर को परिवार की इच्छा अनुसार जेएनयू अस्पताल के मेडिकल कॉलेज को देह दान किया। लॉयन्स क्लब के सुरेन्द्र जैन पांडया ने बताया कि इस अवसर पर लॉयन्स क्लब के पीएमसीसी सीए लॉयन जीपी शर्मा,लॉयन अनिल सौगानी, लॉयन नेमि पाटनी,लॉयन सुभाष भुरत, लॉयन जीएल शर्मा व अध्यक्ष विरेन करोडिया, परिवार जन व क्लब के सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान कालेज के स्टूडेंट्स ने पार्थिक शरीर के को श्रद्धांजलि देकर शपथ ग्रहण की और याद में कालेज परिसर में पौधा लगाया गया।

जलेश्वर महादेव मंदिर में सजी फूल बंगला झांकी

कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए नागदेवता की हुई पूजा

जयपुर। दिल्ली रोड,बंगाली बाबा आश्रम स्थित दिल्ली रोड पुरानी चुंगी बंगाली बाबा आत्माराम गणेश मंदिर जलेश्वर महादेव मंदिर में नागपंचमी धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर फूल बंगले की आकर्षक झांकी सजाई गई और कालसर्प से मुक्ति के लिए नगादेवता की पूजा की और नाहरगढ़ टीवी टावर पर नागों को छोड़ा गया। आयोजक चंद्र प्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि आज मंदिर प्रांगण में भोले बाबा का पंचामृत अभिषेक और विभिन्न तीर्थ स्थलों से लाए जल से भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को नवीन पोशाक धारण करवा कर फूल बंगला झांकी सजाई गई और पांच विद्वान पंडितों ने रुद्र पाठ किए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में नाग नागिन की भक्तों ने विशेष पूजा अर्चना कर नाहरगढ़ टीवी टावर पर जाकर जोड़ों को विधि विधान से छोड़ा। इस मौके पर हुई भजन संध्या में गायक सुरेश पांचाल, पवन शारा, हितेश डोटीवाला ने भोलेनाथ की एक से एक रचना सुनाकर भोले बाबा को रिझाया। इस अवसर पर पुष्प वर्षा इत्र वर्षा से मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी,पार्षद विमल अग्रवाल व जितेंद्र श्रीमाली सहित अन्य लोगों ने आयोजन में शिरकत की। इस मौके पर त्रिलोक अग्रवाल,एमडी बांगड़, गजेंद्र लूणीवाल, ब्रजकिशोर, सुनील, विजय, प्रवीण सैनी, राजेंद्र खंडेलवाल, दीनदयाल गर्ग, विनोद अग्रवाल चंदवाजी वाले आदि मौजूद रहे।

कलात्मक कौशल और रचनात्मक उत्कृष्टता को अभिव्यंजित करती हैं म्यूरल आर्ट

शिल्पग्राम में आज दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष कार्यशाला

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से शिल्पग्राम के संगम सभागार में जारी म्यूरल आर्ट कैंप (चित्रांकन) में शुक्रवार को स्कूली छात्र छात्राओं ने विजिट कर केरल के कलाकारों से भित्ति चित्रण की बारीकियों के गुर समझे। केंद्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि शनिवार और रविवार को दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष

कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। जिसमें वे न केवल विषय विशेषज्ञों से इस कला के मर्म को सीखेंगे बल्कि उनके सन्निंध्य में सृजन भी करेंगे। गौरतलब है कि इस कैंप में केरल के करीब दो दर्जन कलाकार अपनी कला साधना का सजीव चित्रण कर रहे हैं, जिनमें केरल के ही दिव्यांग कलाकार महेश एम.के. भी अपनी पत्नी संग कला साधना में संलग्न हैं। इस कैंप में कैनवास पर उकेरे प्रत्येक चित्र में कला के प्रति कलाकारों का गहन समर्पण दृष्टिगत होता है। तमाम चित्रकृतियां केरल के शानदार मंदिर और महल के रंग वैभव की कहानी कहती प्रतीत होती है तो हर एक कृति में प्राचीन हिंदू देवी-देवताओं के अद्भुत स्वरूप के दिव्य दर्शन सायास आंखों को आनंदित करते हैं।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मधुवन का 48वा वार्षिकोत्सव 8 व 9 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मधुबन, टोंक फाटक जयपुर का 48 वा वार्षिकोत्सव शनिवार 08 जुलाई व रविवार 09 जुलाई 2023 को मनाया जाएगा। अध्यक्ष अनिल टोंग्या ने बताया कि कार्यक्रमो की श्रंखला में 8 जुलाई को प्रातः 6:45 झण्डा रोहण महावीर प्रसाद, नीरज, पंकज, कमल घाती परिवार के द्वारा किया जाएगा। उसके पश्चात प्रातः 7:30 बजे से पार्श्वनाथ विधान किया जाएगा। मंत्री अनिल छाबड़ा ने बताया कि सांय 48 दीपकों से महाआरती व मधुवन जैन समाज के मेघावी बच्चो का सम्मान व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति गौरव जैन, कुचामन सिटी द्वारा दी जाएगी। जिसके दीप प्रज्वलन कर्ता पदम चन्द गोधा, मंडावरी वाले, मुख्य अतिथि अरविंद विनीता अजमेरा, विशिष्ट अतिथि श्रीमति मनभर देवी, सतीश, अशोक अरुण बाकलीवाल होंगे। सांस्कृतिक व प्रचार प्रसार मंत्री राहुल गोधा ने बताया कि रविवार दिनांक 9 जुलाई को नवनिर्मित बहुउपयोगी शुभ मंगल भवन व पूजा सामग्री कक्ष का लोकार्पण छगन लाल राजन देवी की पुण्य स्मृति में स्व संतोष जी अनोपडा के परिवारजन श्रीमति प्रेमलता, पारस, रितेश अनोपडा (बोली वाले) परिवारजन द्वारा किया जायेगा। प्रातः 8 बजे भव्य जल यात्रा व शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें समाज के सभी जन शामिल होंगे उसके पश्चात श्री जी के अभिषेक होंगे तत्पश्चात समाज की सामूहिक गोठ होगी।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय

श्रीमती चन्द्रप्रभा जैन

धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री प्रकाश चन्द्र जैन

का असामयिक निधन हो गया है। उनकी तीये की बैठक रविवार, 9 जुलाई को प्रातः 9 बजे जैन मंदिर दुर्गापुरा पर होगी

शोकाकुल: गुलाब चंद-कंचन देवी (सास -ससुर), ज्ञान चंद, कैलाश चंद-आशा (चाचा ससुर- सास), सुभाष-सुधा, विमल- रेखा, सन्तोष-राज व राकेश-बीना (देवर-देवरानी), प्रतीक-अंशुल-टिंयू (पुत्र-पुत्रवधू-पौत्री), सुधांश-कृतिका, साकेत-शिवानी, अर्पित-अभीषिका, शुभम-रिया व विवुध-मान्या (भतीजे- बहू) शांता-मृगेन्द्र (नन्द-नन्दोई) कोविद-विजय, लेशिता-उज्ज्वल (पुत्री-जंवाई) शर्मिष्ठा-प्रतीक (भांजी-जंवाई) कृति-अंकित, सृष्टि-वरुण व प्राक्षी (भतीजी-जंवाई) आगम, नव्या, सक्षम, अवनी, विवान, अयांश व पीहू (दोहिते-दोहिती) शिवांश, अर्श व कुहू (पौत्र-पौत्रियाँ)

पीहर पक्ष: स्व. कस्तूर चंद -स्व. कमला जी बोहरा (पिता-माता) कल्याणमल जी सोगानी (मामा), अशोक नगर

आचार्य श्री सौरभ सागर जी मुनिराज को जिनवाणी संवर्द्धन केन्द्र की कार्य-प्रणाली से अवगत कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग जयपुर द्वारा अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जैन पाटनी एवं मंत्री डा .राजेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन में संचालित जिनवाणी संवर्द्धन केन्द्र की गतिविधियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी केन्द्र के संयोजक हीरा चन्द बैद ने संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हास्पिटल व सौरभाचंल तीर्थ के प्रणेता गुरूदेव 108 आचार्य श्री सौरभ सागर जी मुनिराज को प्रदान की । आचार्य श्री ने जिनवाणी संवर्द्धन केन्द्र की सराहना की व संयोजक हीरा चन्द बैद को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि पुराने मन्दिरों में प्राचीन पांडुलिपियां की साज-सम्हाल के अभाव में न्हास हो रहा है इन धरोहरों के संवर्द्धन हेतु समाज को जागृत करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उपस्थित गुरूदेव के भक्तों द्वारा जिनवाणी संवर्द्धन के विषय में अपनी जिज्ञासा प्रकट करने पर संयोजक हीरा चन्द बैद ने कहा कि मन्दिरों व घरों आदि स्थानों पर रखी अनुपयोगी धार्मिक पुस्तकें,पोस्टर, जैन पत्र-पत्रिकाएं कबाड़ियों को रद्दी में न बेच कर संयोजक के मोबाइल नंबर 98281 64556 पर सम्पर्क कर जिनवाणी संवर्द्धन केन्द्र, एस-21 सरदार भवन, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर पर पंहुचा दें यहां प्राप्त पुस्तकों को शास्त्री विद्वानों द्वारा छंटनी की जाती है व अच्छी स्थिति वाली पुस्तकें आवश्यकतानुसार मन्दिरों, पुस्तकालयों, विद्वानों, मुनिराजों, आर्यिका माताओं व शोधकर्ताओं को पहुंचा दी जाती है। बिल्कुल जीर्ण क्षीर्ण पुस्तकों को फैक्ट्री में गलवा दिया जाता है। अभी तक जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा, चण्डीगढ़, कानपुर, मुम्बई, ग्वालियर, भरतपुर, बारांबंकी, लालसोट, बगरु,दहमीकला, केकड़ी, आदि स्थानों से प्राप्त सैंकड़ों की संख्या में प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथ एवं साहित्य श्री महावीर जी क्षेत्र द्वारा जयपुर में संचालित अपभ्रंश साहित्य अकादमी, दिगम्बर जैन छात्रावास, भट्टारक जी की नसियां, श्री महावीर जी क्षेत्र, पंडित टोडरमल स्मारक भवन स्थित पुस्तकालय, तरुण सागर जी महाराज, आचार्य वसुनंदी जी महाराज, गणनी विशुद्धमती जी माता जी, अनेक मन्दिरों में व और विद्वानों को भेंट की गई है।

वर्षायोग धर्म ध्यान का समय : आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी

सांभरलेक में चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम आयोजित

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

सांभरलेक। नमक उत्पादन में विश्वविख्यात ऐतिहासिक पौराणिक धार्मिक नगरी सांभरलेक में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंडी मंदिर में परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य भगवन श्री विमलसागर गुरुदेव के पट्टाशिष्य परम पूज्य आचार्य भगवन भरतसागर गुरुदेव की शिष्या परम पूज्य बालयोगिनी मोक्षमार्ग प्रकाशिका आर्यिकारत्न नंदीश्वरमति माताजी का पावन चातुर्मास 2023 का मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम सांभरलेक में रविवार को आयोजित हुआ। आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का सांभरलेक में यह पहला चातुर्मास होगा।कलश स्थापना में झंडारोहण करने का सौभाग्य महेंद्रकुमार,डॉ सुरेंद्रकुमार, पुलकित काला परिवार सांभरलेक हाल निवासी त्रिवेणी नगर जयपुर को प्राप्त हुआ। सांभरलेक जैन समाज के वर्धमान काला ने बताया कि प्रातः विधि विधान से पंडित विधानाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री जयपुर एवं डॉ करुणा दीदी के द्वारा ध्वजारोहण मंत्रोच्चारण किया गया जिसके बाद श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंडी के मंदिर से भव्य जुलूस के साथ शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल श्री महावीर वाटिका पहुंचे जहां धर्मसभा का शुभारंभ ब्रह्मचारी दीपा दीदी ने मंगलाचरण के साथ किया।

2 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर 12 बसों से सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी जाएगा दल

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री स्वस्ति भूषण जयपुर प्रवास व्यवस्था समिति के बेनर तले 12 बसों से दो दिवसीय धार्मिक यात्रा दल शनिवार 8 जुलाई को सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी के लिए रवाना होगा। समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः 6 बजे आचार्य सौरभ सागर महाराज से आशीर्वाद लेकर जयकारों के बीच यात्रा दल प्रतापनगर से रवाना होगा। यात्रा दल को समाजश्रेष्ठी कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया जैन ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे। यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी पहुचेगा जहां जुलूस के रूप में श्रद्धालुगण भगवान महावीर के दर्शन करने मुख्य मंदिर पहुंचेंगे। अन्य मंदिरों के दर्शन लाभ कर भोजन उपरांत यात्रा दल मुरैना स्थित ज्ञान तीर्थ पहुंचेगा जहां सायंकालीन भोजन के उपरांत मंदिर एवं आचार्य ज्ञेय सागर महाराज ससंघ के दर्शन एवं आरती कर यात्रा दल सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी पहुंचेगा। सिद्ध क्षेत्र श्री सोनागिर जी में रविवार 9 जुलाई को प्रातःः5.00 बजे से पर्वत वन्दना करते हुए पहाड़ पर 77 मंदिरों के सामूहिक दर्शन, अभिषेक, शांतिधारा पूजा अर्चना कर यात्रीगण नीचे उतरेंगे। तलहटी के 27 मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त कर गणिनी आर्यिका लक्ष्मी भूषण माताजी एवं स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के दर्शन लाभ व आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। दोपहर में 1 बजे से गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के वर्ष 2023 के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में शामिल होंगे।

पारीक समाज के जनक महर्षि पराशर जी की शोभायात्रा 9 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। पारीक महासभा, जयपुर के तत्वावधान में महर्षि पराशर जी की शोभायात्रा 9 जुलाई को निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। पारीक महासभा,जयपुर के अध्यक्ष के.के. पारीक व महासचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण इस वर्ष शोभायात्रा को प्रदूषण रहित होना है। इस दौरान 301महिलाएं सिर पर मांगलिक कलश धारण कर चलेगी। शोभायात्रा 9 जुलाई को सुबह 9 बजे पारीक पंचायती मंदिर, पुरानी बस्ती से रवाना होकर दीनानाथ जी की गली,नाहरगढ़ रोड, जयलाल मुंशी का रास्ता होते हुए नादर जी के मंदिर में समापन होगा श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसीदिन साम 5.15 बजे पारीक कॉलेज स्थित पराशर मंदिर में महाआरती की जाएगी।

आप कितने भी शक्तिशाली क्यों न हो कर्मों के फल तो भोगने ही पड़ेंगे : शास्त्री

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम ईश्वर का भले कितना ही गुणगान करे फिर भी हम संसार में प्रभु का वर्णन कर सकते है वह तो अनंत है। इसीलिए कहा गया है कि हरि अनंत हरि कथा अनंता। भगवान की सारी लीला को मुख से नहीं कहा जा सकता वह तो अनंत अपार है जिसे केवल महसूस किया जा सकता है। जो हरि कथा के रहस्य को समझ जाता है वह संसार सागर से पार हो जाता है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने शुक्रवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। सत्संग में डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री ने गर्ग संहित की चर्चा करते हुए कहा कि मानव जीवन लेने पर शुभ व अशुभ कर्म हमारे साथ चलते रहते है।

मन धर्म में लग जाए तो देवता भी करते है नमनः इन्दुप्रभाजी म.सा.

माता-पिता को प्रणाम किए बिना नहीं जाए घर से बाहरः चेतनाश्रीजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अभिमान आते ही जीवन में पतन की शुरूआत हो जाती है। जिसका मन अभिमान त्याग धर्म में लग जाए उसे देवता भी नमन करते है। मयार्दा पुरूषोत्तम राम के गुणों के कारण ही आज भी उन्हें आदर्श माना जाता है और सभी उनका गुणगान करते है। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में शुक्रवार को नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जैन रामायण का वाचन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि धन होना अच्छी बात है लेकिन धन का प्रदर्शन करना दुःख का कारण बन जाता है। वर्तमान में वैभव प्रदर्शन की बुराई समाज में बढ़ रही है। उन्होंने गृहक्लेश को घर से बाहर नहीं ले जाने की नसीहत देते हुए कहा कि यदि घर के झगड़े बाहर ले जाएंगे तो मामले सुलझने की बजाय अधिक बिगड़ जाएगी। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी ने सामाजिक व्यवस्था में तलाक के मामले बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि बेटी की शादी के बाद माता-पिता को उसे समझाना चाहिए कि ससुराल ही अब उसका घर है उसे वहीं समन्वय कायम कर आगे बढ़ना होगा। ससुराल की परम्पराओं के विपरीत कार्य के लिए कभी विवाहित पुत्री को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए जो बाद में पारिविारिक दुःख का कारण बन जाए। जनक दुलारी सीता को आज भी शीलवान नारी के रूप में पूजा जाता है जिसने अपने पति का साथ देने के लिए संसार के सारे सुखों का त्याग कर दिया था। धर्मसभा में आगममर्मज्ञ चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि भगवान के नाम की माल जपने से अज्ञान व अंधकार मिटने के साथ मोक्ष की राह खुलती है। उन्होंने जीवन में हमेशा नमने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जितना अधिक नमन करेंगे उतना जीवन निर्मल होगा। नमन करने पर माता-पिता ओर बड़े बुजुर्गों के साथ गुरूओं व भगवान का भी आशीर्वाद हमे मिलता है। उन्होंने कहा कि घर में यदि माता-पिता या सास-ससुर है तो सुबह उठते ही उन्हें प्रणाम करना चाहिए और बिना प्रणाम किए घर से बाहर नहीं जाना चाहिए। चेतनाजी म.सा. ने जाप का महत्व बताते हुए कहा कि जाप तीन तरह के होते है। बातचीत जाप में आवाज करके भगवान का नाम लिया जाता है। दूसरी तरह का जाप उपांशु होता है इसमें बोलते-बोलते जुबान बंद हो जाती है पर कंठ में शब्द गूंजते रहते है। ये जाप बातचीत जाप से अधिक फलदायी होता है। तीसरी तरह का जाप मानसिक जाप होता है जिसमें मन एकाग्र हो जाता है और वाणी मौन हो जाती है। गले की आवाज बंद होकर मन ही मन बोलते है। मानसिक जाप सर्वाधिक लाभ देने वाला है।

जिनवाणी श्रवण से मिट जाते क्रोध व मान जैसे कषाय

धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी श्रवण से व्यक्ति का क्रोध, मान जैसे कषाय मिट कर पुण्य का संचय होता है। जिनवाणी श्रवण किए बिना हमारे जीवन की गति सुधरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हम जीवन में आत्मकल्याण के लक्ष्य की प्राप्ति करना चाहते है तो चातुर्मास में जिनवाणी श्रवण के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। हमे संसार के कर्मो में डूबो कर रखने वाले कार्यो के लिए समय मिल जाता है लेकिन जब जिनवाणी श्रवण की बात आती है तो कहते है समय नहीं है। ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जिसे बदलने की जरूरत है। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में उपवास, आयम्बिल व एकासन तप के प्रत्याख्यान भी लिए गए। संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक होंगे।

रविवार को युवाओं के साथ धर्मचर्चा एवं दोपहर में बाल संस्कार कक्षा

श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार रूप रजत विहार में प्रत्येक रविवार प्रातः 8 से 8.30 बजे तक युवाओं के साथ धमचर्चा का आयोजन होगा। इसमें युवा अपने मन की जिज्ञासाओं का पूज्य साध्वीवृन्द से समाधान कर सकेंगे। इसी तरह रविवार दोपहर 1 से 2 बजे तक बाल संस्कार कक्षा एवं दोपहर 3 से 3.40 बजे तक प्रश्नमंच का आयोजन होगा। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप में भी श्रावक-श्राविकाएं उत्साह से सम्मिलत होकर पंचपरमेष्टी देव की आराधना कर रहे है। जाप में भीलवाड़ा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल हो रहे है।